अनुसूची 21 फारम सं0 113

अनुसूची 21 फारम सं0 113

संपत्ति अवभार प्रमाण–पत्र

प्रमाण पत्र संख्या 0777/2020---------- आवेदन सं0 ----0777/07-03-2020----------

चूँकि श्री / श्रीमति Ravindra Kishore Prasad----------

According to Available Record In dex- 11

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये।

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही ए
और उसकी सम्बद्ध अनुक्रमणिकों में सं0 ----01-01-2006---------- से सं0 06-03-2020------एक तलाशी की गयी और ऐसी
तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला .....*सम्पति ऋण अवभार से मुक्त है।*----------
---------- चला है अतः ----------

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रति के प्र0 निर्देश	
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष
1	2	3	4	5	6	7	8
	Mauza-Sonaru, P.S.-Fatuha, Thana No.-30, Tauzi No.-Bihar Sarkar, Khata No.-115, Plot No.-785, Area of Land-01 Katha 10 Dhur.						

For SURYA TARUMITRA ENCLAVE
Partner

For SURYA TARUMITRA ENCLAVE
Partner

2

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।
2. बंधक पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । बंधकों की उनके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुर्क्त संव्यवहारों और अकारों को छोड उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अकार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

कार्यालय: अवर निबंधन कार्यालय, पटना सिटी

तारीख: --------07-03-2020----------

मुहरबंद निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
07-03-2020

टिप्पणी : इस प्रमाण पत्र में जो संव्यवहार और अकार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुत संपत्ति के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण [illegible] संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) प्रमाण पत्र में शामिल न किये जायेंगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा 57 के अधीन जो व्यक्ति [illegible] और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्ति [illegible] प्रमाण पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर वहियाँ और अनुक्रमणिकाएँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी [illegible] की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अकारों को सत्यापन के बाद प्रमाण पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अकारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक, पटना सिटी ।

क्रम संख्या--1648--- दिनांक 07-03-2020

आवेदक श्री/श्रीमति Ravindra Kishore Prasad

का ऋणभार प्रमाण पत्र द्वारा --To, Manager, State Bank of India, Sai Branch, Patna

को उनके पत्र संख्या---------- दिनांक ----------के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,
पटना सिटी ।
07.03.2020

अनुसूची 21–फारम सं0–113

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

उपलब्ध रसीद बेयरर रेकर्ड डेड्यूस-II के अधीन पर 19.68 20 20

प्रमाण-पत्र संख्या ..... 20 ..... आवेदन सं0 .....

श्री/श्रीमति Ravindra Kishore Prasad

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्धारित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये।

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता0 1988 20 से ता0 2005 तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला ..... चला है अतः ..... अवभार मुक्त .....

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र0 निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza — Sonaru P.S — Fatuah Thana No — 30 Tauzi No — Bihar Sarkar Khata No — 115 Plot No — 785 Area of Land — 01 Katha 10 Dhur							

For SURYA TARUMITRA ENCLAVE

Kumar Kishor

Partner

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।
2. बंधक–पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मै यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण–पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर): M. Hussain
Ade

(पदनाम):

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

कार्यालयः Patna

तारीखः

मुहर एव निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
20'03'2020

टिप्पणी :– इस प्रमाण–पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुत संपत्ति के अनुसार पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्ही किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसी दस्तावेजो से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण–पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा–57 के अधीन जो व्यक्ति (बाहयों) और अनुक्रमाणियाँ (इन्डेन्स) की प्रवष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हो जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण–पत्रों की जरूरत हो उन्हे तलासी स्वंय करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर वहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने स्वंय तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वंय की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रामण–पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक, 2078 दिनांक 20'03'2020

ज्ञाप संख्या

आवेदक श्री Ravindra Kishore Prasad

का रूपसार प्रमाण–पत्र द्वारा Manager, State Bank of India, Sai Branch, Patna.

का उनके पत्र संख्या दिनांक 07/03/2020 के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,
Patna
20'03'2020

अनुसूची 21 फारम सं0 113

अनुसूची 21 फारम सं0 113

संपत्ति अवभार प्रमाण–पत्र

प्रमाण पत्र संख्या 0778/2020---------- आवेदन सं0 ----0778/07-03-2020----------

चूँकि श्री / श्रीमति Ravindra Kishore Prasad----------

According to Available Record In dex- I I

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का संविवरण प्रमाण–पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में सं0 ----01-01-2006---------- से सं0 06-03-2020------तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला .....*सम्पति ऋण अवभार से मुक्त है।*----------

---------- चला है अतः ----------

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र0 निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza-Sonaru, P.S.-Fatuha, Thana No.-30, Tauzi No.-12/Bihar Sarkar, Khata No.-116, Plot No.-784, Area of Land-01 Katha 17 Dhur 12 Dhurki.							

For SURYA TA...

Partner

6

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।
2. बंधक पत्र की दिशा व्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । शर्तों की उनके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुर्क्त संव्यवहारों और अव्गारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवगार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर)

(पदनाम)

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर)

(पदनाम)

कार्यालय: अवर निबंधन कार्यालय, पटना सिटी

तारीख: --------07-03-2020----------

मुहर एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
07-03-2020

टिप्पणी : इस प्रमाण पत्र में जो संव्यवहार और अवगार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुत संपत्ति के अनुसार पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर अन्य संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा 57 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के संबंधों के प्रमाण पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणिकाएँ उनके द्वारा देखी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवगारों को सत्यापन के बाद प्रमाण पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवगारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक, पटना सिटी ।

ज्ञाप संख्या---1049------ दिनांक ---07-03-2020---

आवेदक श्री/श्रीमति Ravindra Kishore Prasad

को ऋणभार प्रमाण पत्र द्वारा --To, Manager, State Bank of India, Sai Branch, Patna

---

को उनके पत्र संख्या---------- दिनांक ----------के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,
पटना सिटी ।
07-03-2020

अनुसूची 21–फारम सं0–113

संपत्ति अवभार प्रमाण–पत्र

प्रमाण–पत्र संख्या रजलद्ध एवं तैयार रेवेन्यू इंस्पेक्टर-II के अधीन पर 20 आवेदन सं0 1967 20 20

श्री/श्रीमती Ravindra Kishore Prasad

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्धारित सव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण–पत्र दिया जाये।
(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता0 1988 20 से ता0 2005 तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला पता चला है अत: अवभार मुक्त

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र0 निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza — Sonaru PS — Fatuah Thana No — 30 Tauzi No — Bihar Sarkar/12 Khata No — 116 Plot No — 784 Area of Land — 01 Katha 17 Dhur 12 Dhurki							

For SURYA TARUMITRA ENCLAVE
Kunal Kishor
Partner

8

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।
2. बंधक–पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मै यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुर्क्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य सव्यगहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण–पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर): M. Hussain
Dt

(पदनाम):

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

कार्यालय: Patna

तारीख :

मुहर एव निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
20.03.2020

टिप्पणी :– इस प्रमाण–पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति के अनुसार पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखया गया हो तो वैसी दस्तावेजो से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण–पत्र मे शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा–57 के अधीन जो व्यक्ति (वाहयों) और अनुक्रमाणियों (इन्डेन्स) की प्रवष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हो जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण–पत्रों की जरूरत हो उन्हे तलासी स्वंय करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर वहियाँ और अनुक्रमणियां उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने स्वंय तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रामण–पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक,

ज्ञाप संख्या 2077 दिनांक 20.03.2020

आवेदक श्री Ravindra Kishore Prasad

का ऋणभार प्रमाण–पत्र द्वारा Manager, State Bank of India, Sai Branch, Patna.

का उनके पत्र संख्या दिनांक 07/03/2020 के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,
Patna
20.03.2020

अनुसूची 2 फार्म सं0 113

संपत्ति ८.

प्रमाण पत्र संख्या – 0779/2020---------- आवेदन सं0 ----0779/20.

चूँकि श्री / श्रीमति – Ravindra Kishore Prasad----------

According to Available Record In dex- I I

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता0 ----01-01-2007---------- से ता0 06-03-2020------तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला .....*सम्पति ऋण अवभार से मुक्त है।*---------- चला है अतः ----------

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र0 निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza-Sonaru, P.S.-Fatuha, Thana No.-30, Tauzi No.-Bihar Sarkar, Khata No.-115, Plot No.-785, Area of Land-38.35 Decimal.							

For SURYA TARUMITRA ENG

Partner

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।
2. बंधक पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुर्क्त संव्यवहारों और अवगारों को छोड उक्त संपति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवगार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

कार्यालय: अवर निबंधन कार्यालय, पटना सिटी

तारीख: --------07-03-2020----------

मुहर एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
07-03-2020

टिप्पणी : इस प्रमाण पत्र में जो संव्यवहार और अवगार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुत संपति के अनुसार पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण निबंधक की संपतियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2 निबंधन अधिनियम की धारा 57 के अधीन जो व्यक्ति (व्यक्तियों) और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपति के संबंध में प्रमाण पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवगारों को सत्यापन के बाद प्रमाण पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवगारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपति पर प्रभाव पडता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक, पटना सिटी ।

ज्ञाप संख्या----1050--------- दिनांक 07-03-2020

आवेदक श्री/श्रीमति Ravindra Kishore Prasad----------

का ऋणभार प्रमाण पत्र द्वारा --To, Manager, State Bank of India, Sai Branch, Patna----------

---

को उनके पत्र संख्या---------- दिनांक ----------के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,
पटना सिटी ।
07-03-2020

अनुसूची 21–फारम सं0–113

संपत्ति अवभार प्रमाण–पत्र

अधिनियम एवं तैयार रेकर्ड इंडेक्स-II के आधार पर 1969 20 20
प्रमाण–पत्र संख्या ..... 20 आवेदन सं0 .....

चूंकि श्री Ravindra Kishore Prasad

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का संविवरण प्रमाण–पत्र दिया जाये।
(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता0 1988 20 से ता0 2005
तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला .....
चला है अतः अवभार मुक्त

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र0 निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza — Sonaru P.S — Fatuah Thana No — 30 Tauzi No — Bihar Sarkar Khata No — 115 Plot No — 785 Area of Land — 38.35 Decimal							

For SURYA TARUMITRA ENCLAVE
Partner

2

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।
2. बंधक–पत्र की दिशा व्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । दशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुर्क्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण–पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर): M. Hussain
Adv

(पदनाम):

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

कार्यालय: Patna

तारीख:

मुख्य एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
20.03.2020

टिप्पणी :– इस प्रमाण–पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति के अनुसार पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसी दस्तावेजो से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण–पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा–57 के अधीन जो व्यक्ति (बाहयों) और अनुक्रमणियों (इन्डेन्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हो जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण–पत्रों की जरूरत हो उन्हे तलासी स्वंय करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर वहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूंकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने स्वंय तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वय की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रामण–पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारो और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक, 2079
ज्ञाप संख्या
दिनांक 20.03.2020
आवेदक श्री Ravindra Kishore Prasad
का ऋणभार प्रमाण–पत्र द्वारा Manager, State Bank of India, Sai Branch, Patna.
का उनके पत्र संख्या दिनांक 07/03/2020 के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी
Patna
20.03.2020